Commissioners to meet the workers every-day at a fixed time and hear their grievances like some Regional Commissioners who have already started doing this ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R.K. KHADILKAR) : The Provident Fund Authorities have reported as under :—

(a) No such complaint has been received in this behalf.

(b) Various forms including those for settlement of Provident Fund claims, grant of loans are, as a rule, printed bilingually in English and in the Regional language. It is therefore, not considered necessary to get long hand-bills printed in the form of notices and pasted on the walls of establishments.

(c) Regional Commissioners generally meet workers and others who seek interview with them in connection with the Provident Fund affairs and take suitable action on their complaints. It does not appear necessary to issue separate orders in this behalf.

Indo-Bangladesh consultations

2380. SHRI E. V. VIKHE PATIL : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government propose to have high level consultations with Bangladesh on issues involving the three nations of the sub-continent; and

(b) if so, by what time a decision on the matter is likely to be taken ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) and (b). Government is in constant touch with the Government of Bangladesh on issues common to India, Bangladesh and Pakistan.

Chief Engineer of a Public Undertaking in Rajasthan caught Red-Handed

2381. SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH :
SHRI HARI SINGH :

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether the Central Bureau of Investigation have recently caught red handed a Chief Engineer of a Public Undertaking in Rajasthan for allegedly accepting a Graft of Rs. 5000/— from a Calcutta firm in a posh hotel of New Delhi;

(b) if so, the names and other details of the persons taking and giving graft and the firms to which these persons belonged; and

(c) the action proposed to be taken by Government to punish the persons involved ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STFEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN) : (a) and (b). Yes, Sir. The Central Bureau of Investigation received a complaint from a representative of M/s Damodar Enterprises Ltd., Calcutta alleging that Shri Jacob C. Korah, Chief Engineer (Civil), Khe'ri Copper Project, was demanding a sum of Rs.5000/- for having shown favours in restoring the contract as well as for acceptance of future supplies to be made by the firm without any objection. Accordingly, the C. B. I. laid a trap and caught the official concerned red handed while accepting the bribe from the complainant at Akbar Hotel, New Delhi on 16.6.72.

(c) The case is under investigation by the Central Bureau of Investigation and appropriate action will be taken on receipt of their report.

मध्य प्रदेश में अलौह धातुयें

2382. श्री गंगाचरण दीक्षित : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में कौन-कौन सी अलौह धातुयें उपलब्ध हैं और उनके अनुमानित भंडार कितने हैं;

(ख) राज्य में वर्ष 1969-70 में हवाई खनिज सर्वेक्षण तथा भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण की कार्यवाहियों के क्या परिणाम निकले हैं और

यदि कोई अनुवर्ती कार्यवाही की गई है तो क्या;

(ग) क्या राज्य की प्रचुर खनिज सम्पदा का उपयोग करने का सरकार का कोई निश्चित कार्यक्रम है; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य विशेषतायें क्या हैं ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा मध्य प्रदेश में अलौह धातुओं के लिए किए गए अन्वेषणों के फलस्वरूप बालाघाट जिले के मालंजखण्ड में 1% ताम्रांश वाली ताम्र अयस्क की 400 लाख टन, बिलासपुर बालाघाट, मण्डला, शाहदोल, दुर्ग, रायगढ़ और सुरगुजा जिलों में 45% ऐलूमिनांश वाली बाक्साइड की 529.8 लाख टन अनुमानित उपलब्ध राशियां निर्धारित की गई हैं।

(ख) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने 1969-70 के दौरान मध्य प्रदेश में कोई हवाई सर्वेक्षण नहीं किए। तथापि, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान ने 1968 के दौरान मध्य प्रदेश के पन्ना, चित्तौड़पुर और टीकमगढ़ जिलों में 1600 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में हवाई चुम्बकीय एकुरणीय सर्वेक्षण किए तथा उनसे सबंधी रिपोर्ट में कुछेक क्षेत्रों में अधिक विस्तृत भूमि अन्वेषणों के लिए सिफारिश की। जनवरी, फरवरी, 1972 में राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान द्वारा मध्य प्रदेश में नर्मदाघाटी के पूरब में 20,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर उड़ान की गई। इस सर्वेक्षण के चुम्बकीय और स्फुर्णीय आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है। हवाई खनिज सर्वेक्षण और समन्वेषण (भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण का स्कंध) ने भी जून, 1972 में मध्य प्रदेश में हवाई सर्वेक्षण किए जिसके परिणाम प्रतीक्षित हैं।

(ग) और (घ). हिन्दुस्तान लिमिटेड मालंजखण्ड ताम्र निक्षेप के विकास के लिए कदम उठा रहा है। भारत एलूमिनियम कम्पनी, कोरबा में, अमरकन्टक और फुटका पहाड़ बाक्साइट निक्षेपों पर आधारित एक लाख टन ऐलूमिनियम प्रति वर्ष की क्षमता वाली एक ऐलूमिनियम प्रायोजना को कार्यान्वित कर रहा है।

मध्य प्रदेश में लौह अयस्क के निक्षेप

2383. श्री गंगाचरण दीक्षित : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश राज्य में किन-किन क्षेत्रों में लौह अयस्क के निक्षेपों का पता लगाया गया है;

(ख) इन निक्षेपों में लगभग कितना लौह अयस्क मिलने की संभावना हैं; और

(ग) उनके उचित समन्वेषण के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) से (ग). विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

विवरण

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा किए गए अन्वेषणों के परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश के बस्तर, दुर्ग, जबलपुर और ग्वालियर जिलों में लौह अयस्क के बृहद् निक्षेप पाए गए हैं। इन जिलों में लौह अयस्क की निक्षेप-वार उपलब्ध राशियां निम्नलिखित हैं :—

(i)	बैलाडिला (14 निक्षेप)	(बस्तर जिला)	11350 लाख टन (अनुमानित)
(ii)	आरीडुंगरी		170 यथोक्त } (उपदर्शित)
(iii)	रौघाट		7500 यथोक्त } (उपदर्शित)